दो साल से सिद्धपुर-बिलाड़ नदी पुल अधूरा

बरसात में कई गांवो का हो जाता है आवागमन ठप्प

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। अजयगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिद्धपुर में बिलाड़ नदी पर बन रहा पुल पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा है। यह महत्वपूर्ण पुल निर्माण कार्य समय सीमा और कई चरण पूरे होने के बावजूद अब तक पूर्ण नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों को हर साल बरसात में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा कई गांवो का संपर्क टूट जाता है।

पुल का भूमिपूजन 19 अगस्त 2024 को किया गया था। उसी मंच पर ठेकेदार ने छह माह में पुल निर्माण पूरा करने का दावा किया था। इसके बाद जनवरी 2025 से निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ और जून 2025 तक लगातार काम चलता रहा, जिसमें चार पिलर भी तैयार किए जा चुके हैं। 20 जून 2025 से क्षेत्र में भारी बारिश शुरू हो गई, जिसके बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया। तब से अब तक कार्य आगे नहीं बढ़ सका है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात समाप्त होने के बाद भी कार्य शुरू नहीं हो पाया, जिससे स्थिति जस की तस बनी हुई है। बताया जा रहा है कि पुल निर्माण के लिए लगभग 44 लाख 80 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि प्रस्तावित है, जिसके लिए जनवरी 2026 में भोपाल स्तर पर मांग पत्र भेजा गया है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब निर्माण कार्य पहले से शुरू हो चुका था, तो अब इसे क्यों रोका गया है।

हर साल बरसात में कट जाता है संपर्क

सिद्धपुर पंचायत को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला यह पुल क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बरसात के मौसम में बिल्लाल नदी का जलस्तर बढ़ने पर आवागमन पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे ग्रामीणों का संपर्क टूट जाता है। पिछले वर्षों में इस दौरान कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, और इस वर्ष भी ऐसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो इस बार भी बरसात में कई गांव पूरी तरह अलग-थलग पड़ सकते है।

प्लास्टिक मुक्त बने दक्षिण पन्ना के पौधारोपण स्थल

प्लास्टिक कचरे का हुआ वैज्ञानिक निस्तारण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा वन क्षेत्रों को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वर्ष 2025 के विभिन्न पौधारोपण स्थलों से पौधों के रोपण उपरांत शेष बचे प्लास्टिक पॉलीबैगों का व्यापक संग्रहण अभियान चलाया गया।

वनकर्मियों एवं स्थानीय वन समितियों के सहयोग से प्लास्टिक कचरे का संग्रहण किया गया। संग्रहित प्लास्टिक कचरे को अमानगंज स्थित जेके सीमेंट संयंत्र को ऊर्जा पुनर्प्राप्ति हेतु बेचा गया। इससे वन समितियों को लगभग 56,300 की राशि प्राप्त होगी। वन विभाग के अनुसार पौधारोपण के बाद पॉलीबैगों को वन क्षेत्र में छोड़ देना, गड्ढों में दबा देना अथवा खुले में जला देना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। समय के साथ यह प्लास्टिक छोटे-छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक का रूप ले लेता है, जो मृदा, जल स्रोतों, वन्यजीवों तथा मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

अजयपाल किला, जहां प्रकृति कर रही भूतेश्वर महादेव का जलाभिषेक

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। पन्ना जिले के अजयगढ़ किले में स्थित भूतेश्वर महादेव का प्रकृति अभिषेक कर रही है। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध किलों में से एक इस किले की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भी तारीफकर चुके है और लोगों से इन्हें देखने आने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किले सिर्फईट पत्थर नहीं हैं।

ये हमारी संस्कृति के प्रतीक है। संस्कार और स्वाभिमान हैं। जो आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आग्रह किया कि इन किलो की यात्रा करें, इतिहास को जानें, गौरव महसूस करें।

किले के अंदर में विराजे भूतेश्वर महादेव:- अंदर किले के आधार तल में पहाड़ काटकर एक गुफा मंदिर बनाया गया है जिसे भूतेश्वर शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। इसकी मुख्य विशेषता है कि यहां प्रकृति भोलेनाथ का प्राकृतिक रूप से अभिषेक करती है। चट्टानों से जल सदैव शिवलिंग पर गिरता रहता है। भूतेश्वर मंदिर से एक गुफा मार्ग रंगमहल तक जाता है। सावन माह में भूतेश्वर महादेव के दर्शन करने बडी संख्या में श्रृद्धालु पहुंचते हैं। अजयपाल मंदिर के सामने तालाब हैं। तालाब से भूतेश्वर महादेव मंदिर तक जाने के लिए सुरंग है। बताया जाता है कि राज परिवार के लोग तालाब में स्नान कर सुरंग से ही भूतेश्वर महादेव के दर्शन करते आते थे। मकर संक्रांति के अवसर पर यहां पर हर साल मेले का भी आयोजन होता है। इसमें हजारों की संख्या में श्रृद्धालुजन हिस्सा लेते हैं और हजारों अजयपाल महाराज की मूर्ति के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाते हैं।

250 वर्षो के बाद भी चित्रों के रंग धूमिल नहीं

6.81 वर्ग किमी में फैला अजयगढ़ किला 250 साल से अधिक पुराना है। अजयपाल नाम से जाना जाने वाला यह किला आज भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है। किले तक पहुंचने के लिए 500 सीढ़ियां बनवाई गई हैं। इस किले का ऊपरी भाग बलुआ पत्थर का है। यह दुर्लभ प्रकृति का है। अजयगढ़ किला के निर्माण का श्रेय शासक अजयपाल को दिया गया। परकोटे के पत्थरों एवं पहाड़ काटकर बनाया गया है। दुर्ग की दीवार पर देवों की प्रतिमाएं उत्कीर्ण हैं। यह प्रतिमाएं प्रतिमाएं लंबी पंक्तियों में देखने को मिलती हैं। 250 वर्षों के बाद भी इस किले में बने चित्रों के रंग धूमिल नहीं हुए हैं। किले के रंगमहल के आस-पास पत्थरों को काटकर कई तालाब बनाए गए हैं, जिनमें गंगा कुंड एवं यमुना कुंड प्रमुख हैं, जो हर समय जल से भरे रहते है। रंगमहल एक विशाल महलनुमा इमारत है, तो पूर्णरूप से पत्थर का ही बना हुआ है। पूरा किला लगभग पांच किमी क्षेत्र में त्रिभुजाकार आकृति है।

संभागीय प्रेक्षक ने ली बैठक, स्थानीय निर्वाचन कार्यालय का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्य 2026 के पर्यवेक्षण के लिए नियुक्त संभागीय प्रेक्षक शैलेन्द्र कियावत की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में बैठक हुई।

प्रेक्षक श्री कियावत ने जिले की विधानसभा निर्वाचक नामावली तथा पंचायत एवं नगर पालिकाओं की प्रारूप मतदाता सूचियों के तुलनात्मक परीक्षण की समीक्षा करते हुए कहा कि दोनों सूचियों में पाए गए अंतर को प्राथमिकता के आधार पर समाप्त करने की कार्यवाही करें। पंचायत एवं नगर पालिकाओं की मतदाता सूचियों में अधिक दर्ज मतदाताओं का गहन पुनरीक्षण व सत्यापन कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदाता सूची अद्यतन एवं त्रुटिरहित बन सके। संभागीय प्रेक्षक ने कहा कि ग्राम पंचायत व नगर पालिकाओं में मृतक मतदाताओं के नाम नियमानुसार मतदाता सूची से विलोपित करने की कार्यवाही करें। इस अवसर पर प्रेक्षक द्वारा नगर पालिका और पंचायत स्तर पर दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अनुपस्थित, डुप्लीकेट एवं स्थानांतरित मतदाताओं के संबंध में की गई कार्यवाही की जानकारी भी ली गई। निकाय स्तर पर दो अधिक स्थानों पर दर्ज मतदाताओं के नाम विलोपित करने संबंधी कार्यवाही के बारे में जानकारी लेकर जांच सूची में दर्ज मतदाताओं की प्रगति के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। बताया गया कि 15 जून तक दावा आपत्ति प्राप्त कर 22 जुलाई को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्टर ने किया महाराज सागर तालाब का निरीक्षण, दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा जनसहयोग से पन्ना नगर के महाराज सागर तालाब का जीर्णोद्वार किया जा रहा है।

गंगा दशहरा के अवसर पर गत 25 मई से प्राचीन तालाब को संवारने तथा नया स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी अभिनव पहल में प्रत्येक दिवस साफ-सफाई कार्य संचालित है। जलकुंभी हटाने के साथ कार्य की शुरूआत कर अब जल सहेजने, सौंदर्यीकरण तथा पानी की स्वच्छता के लिए भागीरथी प्रयास किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा तालाब को गोद लेकर इसे नगरवासियों के सहयोग से सदैव स्वच्छ और क्रियाशील रखने का बीड़ा उठाया गया है। इस क्रम में शनिवार की शाम कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा महाराज सागर तालाब का निरीक्षण कर तालाब परिसर एवं सीढ़ियों की साफ-सफाई, आवश्यक मरम्मत व पौधरोपण के संबंध में अधिकारियों को विशेष निर्देश प्रदान कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया।

पाण्डुलिपियों को आम नागरिकों के माध्यम से सहेज रही है सरकार

केन्द्र के सहयोग से चलाया जा रहा अभियान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। ज्ञान भारतम् पाण्डुलिपि मिशन के अंतर्गत पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य भारत की हस्तलिखित विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रचार-प्रसार करना है।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के ज्ञान भारतम मिशन एवं मध्यप्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इस कार्य में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के पालन में मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में स्थित निजी शोध संस्थान, महाविद्यालय, ग्रंथालय, मंदिर, मठ व आश्रम, प्राईवेट ट्रस्ट इत्यादि में संरक्षित प्राचीन हस्तलिखित पाण्डुलिपियों की खोज कर ज्ञान भारतम् एप में अपलोडिंग करना है।

पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति पन्ना जिले में उपलब्ध हस्तलिखित पाण्डुलिपियों की जानकारी ज्ञान भारतम् एप पर अपलोडिंग के लिये संबंधित लक्षित समूह एवं व्यक्तियों को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन देकर इसे एक मिशन के रूप में संचालित करेगी। समिति द्वारा पन्ना जिले के महाविद्यालयों, निजी शोध संस्थान, ग्रंथालयों, मंदिरों, मठ व आश्रम, प्राईवेट ट्रस्ट के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से नागरिकों से अपील की गई है।

यदि उनके पास अथवा जानकारी में कोई प्राचीन (1950 के पूर्व की) हस्तलिखित पाण्डुलिपि (कागज, ताड़ पत्र एवं भोज पत्र पर हाथ से लिखी) उपलब्ध हो तो उसे 30 जून 2026 के पूर्व जिला स्तरीय समिति को उपलब्ध करा सकते हैं अथवा स्वयं भी ज्ञान भारतम् एप पर अपलोड कर सकते हैं।

पति-पत्नी ने खाया जहर दोनों की मौत

दोनों अपने मां बाप के थे इकलौती संतान

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 14 जून। अजयगढ ग्राम भकुरी में पति-पत्नी ने रात्रि में जहर खा लिया। इसकी खबर जब परिजनों को लगी तब तक पत्नी की मौत हो चुकी थी और पति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था जिसे परिजनों द्वारा तुरंत उपचार के लिए ले जाया गया, परंतु रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक भकुरी निवासी श्यामकली पति सागर यादव उम्र 23 वर्ष तथा सागर यादव उम्र 25 वर्ष दोनो निवासी ग्राम भकुरी ने रात्रि लगभग 1:30 बजे जहर खा लिया और दोनों की हालत बिगड़ गई। जब तक घटना की जानकारी उनके परिजनों को मिली तब तक श्यामकली की मौत हो चुकी थी और सागर गंभीर हालत में था। उक्त घटना 13-14 जून की दरम्यानी रात्रि की है। 14 जून को सागर पिता रामकेश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गौरतलब है कि दोनों की शादी लगभग 4 वर्ष पूर्व हुई थी अभी दोनों के कोई संतान नहीं थी। दोनों लड़का लड़की अपनी माता-पिता की इकलौती संतान थे। घटना की जानकारी लगते हैं धरमपुर थाना प्रभारी अनिल सिंह राजपूत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हर बिंदु पहलुओं की जांच कर मृत्यु के कारण का पता लग रही है घटना की जानकारी प्राप्त होते ही नायब तहसीलदार धनीराम अहिरवार भी मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे तथा परिजनों को सांत्वना दी। दोनों की मृत्यु से ग्राम भकुरी का माहौल गमगीन है परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है आखिर मृत्यु का कारण अगर जहर खाना ही है तो किन परिस्थितियों में मृतको ने एक साथ जहर खाया यह पुलिस विवेचना एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा।

गैस सिलेंडर के संकट से भोजन का मेन्यू बदला, नाश्ता हुआ महंगा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। गैस की किल्लत के चलते शहर की अगर कुछ रेस्टोरेंट को छोड़ दिया जाए तो रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू से तवा रोटी को हटा दिया है। इसकी जगह तंदूर रोटी ही दी जा रही है। वजह है गैस सिलेंडर का नहीं मिलना। गैस की कमी के चलते कई वस्तुओं के दाम बढ़ गये हैं। वैश्विक स्तर पर गैस की सप्लाई में रुकावट के चलते एलपीजी संकट गहरा रहा है।

मार्केट में कमर्शियल सिलेंडर की शॉर्टेज है। ब्लैक मार्केट में ये सिलेंडर 3-4 गुना ज्यादा दाम में मिल रहे हैं। इंडक्शन और लकड़ी पर खाना बनाने की नौबत आ गयी है। जब गैस महंगा हुआ तो खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ गए। 10 रुपये में मिलने वाली चाय 15 रुपये में मिल रही है। वहीं, 15 रुपये की चाय 20 रुपये में मिल रही है। 10 रुपये का समोसा 15 रुपये का हो गया है। कई जगह 20 रुपये वाला ब्रेड पकोड़ा 25 से 30 रुपये में मिल रहा है। मोमोज की जो प्लेट पहले 50 रुपये की मिलती थी, उसकी कीमत अब करीब 80 रुपये हो गई है। इसी तरह 150 रुपये की चिकन बिरयानी प्लेट अब 200 रुपये में मिल रही है। गैस की शॉर्टेज का सबसे बड़ा असर ढाबों, रेस्टोरेंट्स और होटल्स पर देखने को मिल रहा है। कई रेस्टोरेंट्स तो बंद हो गए हैं और कुछ इंडशन और लकड़ी पर खाना बना रहे हैं। काफी

किल्लत में लकड़ी कंडे की बढ़ी डिमांड:- एलपीजी गैस संकट की आशंका के बीच कंडे और लकड़ी की डिमांड बढ़ गई है लोग अब गैस के विकल्प के तौर पर पुराने पारंपरिक संसाधन ढूंढ रहे हैं. इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में कंडे और लकड़ी की पूछपरख बढ़ रही है। खासकर शादी समारोह जैसे आयोजन की रसोई के लिए लोग लकड़ी की भट्टी का विकल्प चुन रहे हैं. जिसके लिए कंडे और लकड़ी का इंतजाम करने में लोग जुटे हुए हैं. लेकिन बढ़ी हुई डिमांड के बीच इनके दाम भी डेढ़ गुना से दोगुना तक हो गए हैं. जिसका असर उपभोक्ताओं की जेब पर दोनों तरफसे पड़ रहा है। घरेलू गैस सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर की उपलधता को लेकर बनी असमंजस की स्थिति में आम ग्राहकों को परेशान होना पड़ रहा है. खासकर जिन घरों में शादी समारोह हो या अन्य आयोजन है, उनके लिए कमर्शियल गैस का सिलेंडर हासिल करना मुश्किल साबित हो रहा है। प्रशासन को चाहिए कि एजेंसियों को निर्देशित करे कि अपने वाहन से सिलेंडर की होम डिलीवरी जारी रखें। आने वाले समय में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू में बदलाव किया

मेन्यू से तवा रोटी गायब हो गई है। इसकी जगह तंदूर रोटी ने ले ली है। सड़क किनारे जो फूड स्टॉल लगते थे, वे अब बंद नजर आ रहे हैं। तेल कंपनियों के सर्वर से ओटीपी नहीं आ रहे है और बिना इसके डिलीवरी मैन सिलेंडर नहीं दे रहा है। अब गैस सिलेंडर डिलीवरी के लिए ओटीपी जरूरी कर दिया गया है। बिना ओटीपी के डिलीवरी वाला सिलेंडर नहीं दे रहा है।

चांदा घाटी में जानलेवा सफर, बगैर सुरक्षा उपायों के चल रही पहाड़ की कटाई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। पन्ना-कटनी मार्ग पर पवई के पास स्थित चांदा घाटी मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए इन दिनों पहाड़ की मिट्टी काटी जा रही है। सुगम बनाने के लिए किया जा रहा यह अनियोजित निर्माण यात्रियों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गया है। यहां बगैर सुरक्षा उपायों के किए जा रहे काम से हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

सफर के लिए खतरनाक यह घाटी अब बाएं से दुर्घटनाओं और कठिन निर्माण कार्यों की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते और भी खतरनाक हो गई है। घाटी को काटकर नया मार्ग बनाया जा रहा है तथा दोनों ओर सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन काम जिस तरह से किया जा रहा है, उसने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और ठेकेदार का कहना है कि निर्माण कार्य में बड़ी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। पहाड़ से सीधे सड़क पर गिर रहे पत्थर और चट्टानेंरू इन दिनों घाटी में पहाड़ काटने का काम भारी मशीनों से किया जा रहा है। इस दौरान ऊपर से बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें सीधे सड़क पर गिर रही हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। कई बार चलते वाहनों के बेहद करीब पत्थर गिर रहे हैं, जिससे वाहन चालक दहशत में सफर करने को मजबूर हैं। कटनी से पन्ना की ओर आ रहे कार चालक तनमय ने बताया कि उनकी चलती कार के बोनट पर अचानक ऊपर से एक बड़ा पत्थर आ गिरा।

असफल प्रत्याशियों के निर्वाचन व्यय लेखा दाखिले की सुनवाई 18 एवं 25को

नवभारत न्यूज

पन्ना, 14 जून। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पन्ना जिले की नगरीय निकायों के गत आम निर्वाचन जुलाई 2022 में पार्षद पद का चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के असफल निर्वाचन व्यय लेखा दाखिल करने पर व्हीसी के माध्यम से व्यक्तिगत सुनवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

जिला कार्यालय स्तर पर पृथक-पृथक तिथियों में आगामी 18 एवं 25 जून को अभ्यर्थियों को सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। तहसीलदार द्वारा नोटिस को तामीली के लिए प्रेषित किया जा चुका है। प्रकरण में अंतिम सुनवाई राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा निर्धारित तिथि में अपरान्ह 4:30 बजे से 6 बजे तक की जाएगी। अपरिहार्य कारण से व्यक्तिगत सुनवाई में अभ्यर्थी के स्वयं उपस्थित नहीं होने पर अभिलेख सहित अधिकृत प्रतिनिधि को व्हीसी में उपस्थित कराया जा सकता है, लेकिन इसके लिए अधिकृत किए जाने संबंधी पत्र प्रस्तुत करना होगा।

इन अभ्यर्थियों की 25 जून को व्यक्तिगत सुनवाई - नगर परिषद गुनौर के वार्ड 2 से अभ्यर्थी सुनीता एवं तुलसीदास, वार्ड 3 से चंद्रावती, श्यामकली एवं देवरती, वार्ड 4 से पिंकी, सत्यभामा मेहदेले एवं सुमनलता सेन, वार्ड 5 से वेदनारायण, वार्ड 6 से आशीष कुमार तिवारी, मनोज कुमार एवं सूरी, वार्ड 7 से संकुल सेठिया, वार्ड 8 से गोमती रैकवार, पूजा एवं श्वेता भरभूजा, वार्ड 9 से नेहा पाठक, त्रिवेणी बाई एवं उर्मिला नामदेव, वार्ड 10 से कीर्ति एवं राजकुमार, वार्ड 11 से अनीता, वार्ड 12 से रज्जी चौधरी, सुनीता, गुलमसिया, पूनम नाथ सपेरा एवं सोमवती बाई, वार्ड 13 से बिहारी, रामलाल चौधरी एवं चंदन नाथ, वार्ड 14 से हक्की, मुन्नी बाई एवं संतकुमारी पटेल तथा वार्ड 15 से अधनिया, रामपाल एवं सूरत लाल की व्यक्तिगत सुनवाई निर्धारित है।

18 जून की सुनवाई में ये अभ्यर्थी होंगे शामिल

नगर पालिका परिषद पन्ना के वार्ड 4 के अभ्यर्थी पार्वती विश्राम जाटव, गीता देशराज अहिरवार एवं नथिया अहिरवार, वार्ड 6 के शैलेन्द्र सिंह यादव (लख्खू), वार्ड 7 के रमा विक्की राजा, वार्ड 8 के रानू सुशांत बाल्मीकि, पूजा बाल्मीक एवं प्यारी बाई, वार्ड 9 से रश्मि शर्मा, वार्ड 10 से आसमा खातून, वार्ड 11 से रफी मोहम्मद उर्फबसी एवं सुलेमान खाँ, वार्ड 13 से शेख असमा परबीन उर्फआसू, वार्ड 14 से हेमलता बृजेश रैकवार एवं रफीक खान, वार्ड 17 से तरन्नुम बानो एवं कलावती यादव, वार्ड 18 से राखी दर्शन खटीक एवं नीलोफर उर्फ आशमा, वार्ड 20 से मोहन लाल एवं मिर्जा आकिल बेग, वार्ड 21 से असलम, वार्ड 23 से विमला जयराम यादव, वार्ड 24 से राकेश एवं शत्रुघन गोंड, वार्ड 26 से राविया उर्फराविया खातून, वार्ड 27 से भगवानदास कुशवाहा (मंजू) तथा वार्ड 28 से लल्लू अहिरवार एवं सुदर्शन प्रजापति शामिल हैं। इस क्रम में नगर परिषद देवेन्द्रनगर के वार्ड 1 से सविता देवी वर्मा एवं प्रभा बलराम, वार्ड 4 से महेन्द्र सिंह राय, शांति वर्मा एवं निशा सद्धीम बौद्ध रमन, वार्ड 6 से महादेव एवं भगवानदास, वार्ड 10 से शाहीना बेगम, वार्ड 11 से मनोरमा, वार्ड 12 से शीला देवी, वार्ड 13 से नीतू सुरेन्द्र सिंह एवं शकुंतला बाई, वार्ड 14 से रामकली प्रजापति, कला बाई चौधरी एवं सविता वर्मा तथा वार्ड 15 से अभ्यर्थी रहीं माया पटेल शामिल हैं।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

नवभारत न्यूज

सलेहा, 14 जून। सलेहा समीपस्थ केन नदी के समीप ग्राम सिंघासर में हो रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के आखरी दिन की कथा व्यास पूज्या प्राची देवी ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि सातवें दिन कृष्ण के अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया गया।

मां देवकी के कहने पर छह पुत्रों को वापस लाकर मां देवकी को वापस देना सुभद्रा हरण का आख्यान कहना एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्री कृष्ण सुदामा जी से समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र (सखा) से सुदामा से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। उन्होंने कहा कि सुदामा द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं।

इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आये है। और अपना नाम सुदामा बता रहा है। जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया।

सुदामा ने भी कन्हैया- कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया और सुदामा को अपने महल में ले गए ओर उनका अभिनंदन किया। इस दृश्य को देखकर श्रोता भाव विभोर हो गए। उन्होंने सुदामा और कृष्ण की झांकी पर फूलों की वर्षा की इसके बाद पांडे परिवार द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।

तेंदूघाट परियोजना के मैनेजर का फंदे में लटका मिला शव

पन्ना, 14 जून। शाहनगर क्षेत्र में संचालित तेदूघाट परियोजना से जुड़े ठेकेदार कंपनी यूनि प्रो. टेक्नो इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के प्रोजेक्ट मैनेजर आकाशदीप उम्र 45 वर्ष का शव कटनी स्थित निवास पर फंदे पर लटका शव मिला। आकाशदीप मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के निवासी थे और लंबे समय से तेदूघाट परियोजना से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। घटना के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर कटनी पुलिस पहुंची और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।